Dr Raman Kr.Thakur
Asstt.Prof.(Guest)
Dept. of Economics,
D.B. College, Jaynagar

Date-17.07.2020
B.A. part-1 (H)

Topic- **भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ**
(Charactristics of Indian Economy):-

प्रारंभ से ही भारत एक धनी देश रहा है। इसकी प्राचीन वैभवशाली समृद्धि तथा साधनों की प्रचुरता के कारण से ही दुनिया सोने की चिड़िया के नाम से पुकारती रही है। भारत की इस वैभवता से आकर्षित होकर ही विदेशियों ने भारत पर समय-समय पर अनेक आक्रमण कीए तथा खूब लूटपाट की। क्षेत्र की व्यापकता तथा विभिन्न क्षेत्रों में प्रकृति की विशिष्ट विशेषताओं की उपलब्धता के कारण ही लोग भारत को धनी देश कहते हैं।
भारत एक विशाल देश है ।क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में भारत का सातवां तथा कुल जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।भारत का कुल क्षेत्रफल 32 लाख 87 हजार 263 वर्ग किलोमीटर है। इसकी भूमि सीमा 15,200 किलोमीटर लंबी है।
* विकसित, विकासशील एवं अल्पविकसित अर्थव्यवस्था(Developed,Developing and Under Developing Economy)- वे अर्थव्यवस्था जो आर्थिक दृष्टि से संपन्न हैं, विकसित अर्थव्यवस्था(Developed Economic)कही जाती है। इसके विपरीत वे अर्थव्यवस्थाऐ जो आर्थिक दृष्टि से निर्धन है है,अल्पविकसित कहीं जाती है, जिन्हें निर्धन(poor), पिछड़ी हुई(Backward) विकासशील (Developing) या कम विकसित(Less Developed) के नाम से भी पुकारा जाता है। इन्हीं को तीसरे विश्व(Third world) या दक्षिण (The South) भी कहा जाता है।

* आर्थिक विशेषताएं(Economic Importance) भारतीय अर्थव्यवस्था पर

दृष्टि डालने से इसमें अनेक विशेषताएं देखने को मिलती है इनमें से कुछ विशेषताएं अल्पविकसित विशेषताओं के अनुरूप है तो कुछ विकासशील राष्ट्र के रूप में है जबकि आज अधिकांश विशेषताएं विकसित राष्ट्र के अनुरूप है यह विशेषताएं निम्नवत है-

1). निम्न प्रति व्यक्ति आय(Low per Capita income) आज भी भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर बहुत निम्न है जो इसके अर्थ विकसित स्वरूप को दर्शाता है विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय केवल $1070 डॉलर है। जबकि भारत की तुलना में प्रति व्यक्ति आय अमेरिका में 47,580 अमेरिकी डॉलर है।

2). धन एवं आय का असमान वितरण भारत में धान एवं आई के वितरण में भारी असमानता देखने को मिलती है जो कि देश को अर्ध विकसित होने का प्रमाण देती है। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के समंको के अनुसार ग्रामीण जनसंख्या के 39% के पास ग्रामीण परिसंपत्ति का केवल 5% भाग पाया जाता है जबकि दूसरी ओर 8% व्यक्तियों के कुल ग्रामीण संपदा का 46% भाग विधमान हैं शहरी क्षेत्रों में आर्थिक असमानता गांवों की अपेक्षा अधिक पाई जाती है।

3).अत्यधिक गरीबी(Intersity of poverty) भारत में अभी भी गांवों व शहरों में करोड़ों व्यक्ति निर्धनता की रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं NSSO द्वारा 1999 -2000 में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित तथा योजना आयोग द्वारा जारी गरीबी के आकलन के अनुसार 1999 2000 में देश की 26.1% आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी ।

3). असंतुलित आर्थिक विकास(Unbalanced Economic Development):- अभी भारतीय अर्थव्यवस्था का संतुलित विकास नहीं हुआ है ।विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार देश की श्रम शक्ति का लगभग 64% भाग कृषि पर निर्भर है, जबकि उद्योग धंधों में केवल 16% तथा व्यापार यातायात एवं अन्य क्षेत्रों में 20% लोग कार्यरत है।

4). कृषि की प्रधानता(Pre-dominance of Agriculture) भारत में भूमि श्रम अनुपात अनुकूल नहीं है भारत के 58.2% जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है व्यवसायिक ढांचे में कृषि की प्रधानता के कारण जीडीपी का 23%

भाग कृषि क्षेत्र से प्राप्त होता है विकसित देशों में अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्रों पर आश्रित जनसंख्या का प्रतिशत भारत की तुलना में अत्यंत कम है ।
5). अधिक जनसंख्या(Over population):- भारत में अधिक जनसंख्या की स्थिति देखने को मिलती है ।1991- 2001 के दशक में जनसंख्या में 17. 64% की वृद्धि हुई। इस दशक में औसत वार्षिक घातांकी वृद्धि दर 1.95 रही थी जो कि 2001-11के मध्य तथा 1991- 2001 के मध्य में यह वृद्धि दर 2.16% थी। 1 मार्च 2011 को भारत की जनसंख्या 121.02 करोड़ थी। 2011की जनगणना के अनुसार जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर 382 है।
6) औद्योगिकता का अभाव(Lack of Industrilisation):- अन्य अल्प विकसित देशों की भांति भारत में भी उत्पादन तकनीक का स्तर पिछड़ा हुआ है। जिसके कारण भारत औद्योगिक विकास की दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 11.6% वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। जबकि वर्ष 2009-10 के अनुमान के अनुसार यह दर 8.0% थी।
7) आर्थिक कुचक्रों का जोर(force of Economic Vicious Circles) - यह कहा जाता है कि भारत एक गरीब देश किस लिए है क्योंकि यहां गरीब लोग निवास करते हैं वास्तव में एक पिछड़े देश की आर्थिक का यह एक सही चित्र है देश में अनेक आर्थिक कुचक्र चलते रहते हैं जिन्हें तोड़ना अत्यंत कठिन होता है।
8). यातायात एवं संचार के साधनों की कमी भारत जैसे विशाल देश में यातायात एवं संचार के साधनों का बड़ा महत्व है क्योंकि 64% जनसंख्या दूरदराज क्षेत्रों में निवास करती है देश के अनेक भाग ऐसे हैं जहां पर्याप्त मात्रा में खनिज पदार्थ उपलब्ध है किंतु यातायात के साधनों के अभाव में यहां पर उद्योगों की स्थापना नहीं हो पाई है।

* सामाजिक सांस्कृतिक अन्य विशेषताएं(Social Cultural and other Importance) :-
1). रूढ़िवादी समाज.
2) अशिक्षा .
3)समाज में स्त्रियों का हीन स्थान .4)भाग्यबादिता.

5) जाति- धर्म भाषा के आधार पर विभाजन.
6)सामाजिक परिवर्तन का धिमापन एवं
राजनीतिक अस्थिरता।

* जनसंख्या से संबंधित विशेषताएं(Importance related to population):-
1) उच्च जन्म दर तथा तुलनात्मक रूप से निम्न मृत्यु दर.
2)निम्न प्रत्याशित आयु, 3)साक्षरता में कमी
4)कुल जनसंख्या में बच्चों का प्रतिशत अधिक.
5) आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या में कमी.
6)निम्न जन्म स्तर व स्वास्थ्य. एवं 7)घटिया मानव शक्ति.

* तकनीकी से संबंधित विशेषताएं(Importance Related to Technique):- 1)समग्र तकनीकी पिछड़ापन
2) बड़े उद्योगों का अभाव
3) बड़ी मात्रा में पिछड़ी तथा क म मात्रा में नवीन तकनीकी का पाया जाना।
4)तकनीकी शिक्षा का अभाव 5)लघु व कुटीर उद्योगों की अधिकता
6)तकनीकी रूप से कुशल श्रमिकों का अभाव।
7)श्रम प्रधान तकनीकी का अधिक प्रयोग एवं निम्न ऊर्जा उपयोग.